अंग्रेज़ी से हिन्दी में अनुवादित। - www.onlinedoctranslator.com

व्यापार की योजना
कयटलिंग स्वयं सहायता समूह
आय सृजन गतिविधि पारंपरिक मटर, भुने हुए जौ और समुद्री हिरन का सींग उत्पादों की खेती, कटाई और बिक्री

| | |
|---|---|
| एसएचजी नाम | किटलिंग |
| बीएमसी नाम | काज़ा |
| उप समिति | केउलिंग/कावांग |
| श्रेणी | काज़ा |
| विभाजन | स्पीति |

के तहत तैयार-

हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन में सुधार के लिए परियोजना
एवं आजीविका (जेआईसीए सहायता प्राप्त)

-

विषयसूची


| क्रमांक। | विवरण | पेज |
|---|---|---|
| 1 | एसएचजी का विवरण | 3 |
| 2 | एसएचजी विवरण | 4 |
| 3 | लाभार्थियों का विवरण | 5 |
| 4 | गांव का भौगोलिक विवरण | 7 |
| 5. | एसएचजी का कार्यकारी सारांश | 7 |
| 6. | चयनित IGA में शामिल प्रक्रियाएं | 8 |
| 7. | उत्पादों का विवरण | 8 |
| 8. | उत्पादन प्रक्रिया का विवरण | 8-9 |
| 9. | उत्पादन योजना का विवरण | 10 |
| 10. | कच्चे माल की आवश्यकता और अपेक्षित उत्पादन | 10 |
| 11। | विपणन/बिक्री का विवरण | 11 |
| 12. | स्वोट अनालिसिस | 11 |
| 13. | सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण | 12 |
| 14. | परियोजना की अर्थव्यवस्था का विवरण | 12-14 |
| 15. | प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन | 14-15 |
| 16. | एसएचजी समझौता सह डीएमयू अनुमोदन पत्र | 16 |

1. स्वयं सहायता समूह का विवरण

कौशल क्षमताओं को उन्नत करके आजीविका सुधार सहायता प्रदान करने के लिए काजा बीएमसी और केउलिंग/कवांग उप समिति के तहत वर्ष 2022 में किटलिंग स्वयं सहायता समूह का गठन किया गया था। काजा बीएमसी, केउलिंग/कवांग उपसमिति के तहत आजीविका सुधार गतिविधियों को लागू करने के लिए तीन एसएचजी बनाए गए हैं। इनमें से एक "काइटलिंग एसएचजी" है। जिसने खाद्य प्रसंस्करण (पारंपरिक मटर, भुना हुआ जौ और समुद्री हिरन का सींग उत्पादों की खेती, कटाई और बिक्री) को अपनी आय सृजन गतिविधि के रूप में चुना है। समूह के सदस्य समाज के कमजोर वर्ग से हैं और उनके पास कम जमीन है। अपनी सामाजिक आर्थिक स्थिति को बढ़ाने के लिए, उन्होंने अपने पारंपरिक और प्राकृतिक रूप से उपलब्ध पौधे समुद्री हिरन का सींग उत्पादों के निर्माण और पारंपरिक मटर और भुने हुए जौ की खेती, कटाई और बिक्री पर काम करने का फैसला किया

## एसएचजी ग्रुप फोटोग्राफ

| | | |
|---|---|---|
| - | एसएचजी नाम | किटलिंग |
| - | बीएमसी | काज़ा |
| - | उप समिति | केउलिंग/कावांग |
| - | श्रेणी | काज़ा |
| - | विभाजन | स्पीति |
| - | गाँव | केउलिंग / कावांग |
| - | ज़िला | लाहौल और स्पीति |
| - | एसएचजी में सदस्यों की कुल संख्या | (महिलाएं-11) |
| - | गठन की तिथि | 10/10 /2022 |
| - | बैंक खाता सं. | 50075178279 |
| - | बैंक विवरण | केसीसी बैंक, काज़ा |
| - | एसएचजी मासिक बचत | 100/- |
| - | कुल बचत | 5000/- |
| - | कुल अंतर-ऋण | - - |
| - | नकद क्रेडिट सीमा | - - |
| - | पुनर्भुगतान स्थिति | - - |

2.<u>लाभार्थियों का विवरण:</u>

| सीनियर नहीं | स्वयं सहायता समूह का नाम सदस्यों | पद का नाम | लिंग | वर्ग | आय स्रोत | फोटो |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | पद्मा छोडो | अध्यक्ष | महिला | अनुसूचित जनजाति | कृषि | |
| 2. | अंकित डोलमा | सचिव | महिला | अनुसूचित जनजाति | - करना- | |
| 3. | धुंडुप लामो | केशियर | महिला | अनुसूचित जनजाति | - करना- | |
| 4. | नोर्ज़िन आंगमो | सदस्य | महिला | अनुसूचित जनजाति | - करना- | |
| 5. | कलज़ांग डोल्मा | सदस्य | महिला | अनुसूचित जनजाति | - करना- | |
| 6. | लोबज़ैंग डोलखार | सदस्य | महिला | अनुसूचित जनजाति | - करना- | |
| 7. | छेरिंग बुलिथ | सदस्य | महिला | अनुसूचित जनजाति | - करना- | |
| 8. | छमचोट डोलखर | सदस्य | महिला | अनुसूचित जनजाति | - करना- | |

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 9. | संतोष कुमारी | सदस्य | महिला | अनुसूचित जनजाति | - करना- | |
| 10. | अंकित बुलीथ | सदस्य | महिला | अनुसूचित जनजाति | - करना- | |
| 11। | छुमित डोलमा | सदस्य | महिला | अनुसूचित जनजाति | - करना- | |

3. गांव का भौगोलिक विवरण

| | | |
|---|---|---|
| 1 | जिला मुख्यालय से दूरी | 08के |
| 2 | मुख्य सड़क से दूरी | 1 किमी. |
| 3 | स्थानीय बाजार का नाम एवं दूरी | 9-10 किमी |
| 4 | मुख्य बाजार का नाम एवं दूरी | काजा मुख्य बाजार, दूरी- 09 किमी. |
| 5 | मुख्य शहरों के नाम एवं दूरी | |
| 6 | मुख्य शहरों के नाम जहां उत्पाद बेचा जाएगा बेचा/विपणित | मुख्य शहर काजा और आसपास के जिले |

4. कार्यकारी सारांश किटलिंग एसएचजी:-

काइटलिंग एसएचजी स्पीति वन्य जीव प्रभाग (डीएमयू) के अंतर्गत काजा रेंज के अंतर्गत काजा बीएमसी की केउलिंग/कावांग उप-समिति के अंतर्गत आता है।

किटलिंग एसएचजी ने खाद्य प्रसंस्करण (मटर और समुद्री हिरन का सींग उत्पादों की खेती और कटाई सहित) को अपनी आय सृजन गतिविधि के रूप में चुना है। यह आईजीए इस एसएचजी के सभी सदस्यों द्वारा किया जाएगा। यह व्यावसायिक गतिविधि फसल के मौसम यानी अप्रैल से अक्टूबर के दौरान समूह के सदस्यों द्वारा की जाएगी।

काला मटर की खेती और कटाई में शामिल प्रक्रियाएं :

- खेतों की तैयारी जिसमें क्यारियाँ बनाना, मिट्टी को नम करना, खेतों की जुताई आदि शामिल हैं।
- कच्चे माल अर्थात बीज की खरीद
- बीज की बुवाई (अप्रैल माह में)
- बुवाई के बाद पुनः खेतों की जुताई।
- यदि खेतों में अवांछित वृद्धि हो रही हो तो निराई-गुड़ाई करें।
- बुवाई के बाद उपचार और देखभाल जिसमें पानी देना, खाद देना आदि शामिल है।
- फसल तैयार होने के समय (सितंबर के महीने में) कटाई की जाती है।
- मटर को निकालकर उसके छिलके से अलग करना।
- पैकेजिंग और भंडारण.

समुद्री हिरन का सींग उत्पाद:

- जामुन और पत्तियां आस-पास के वन क्षेत्रों के पौधों से एकत्र की जाएंगी
- इसके बाद जामुन और पत्तियों को ठण्डे, सूखे और साफ स्थान पर संग्रहित किया जाएगा (भंडारण कक्ष का स्वामित्व स्वयं सहायता समूह के पास होगा)।
- फिर उत्पादों की विभिन्न श्रेणियों के अनुसार विशेष प्रक्रिया का पालन किया जाएगा जैसे समुद्री हिरन का सींग चाय के लिए जामुन और पत्तियों को सुखाया जाएगा और तदनुसार 100 ग्राम और 150 ग्राम के पैकेट में पैक किया जाएगा

आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पादों का विवरण।

| | | | |
|---|---|---|---|
| 4.1 | उत्पाद का नाम | :: | खाद्य प्रसंस्करण (मटर की खेती और कटाई तथा समुद्री हिरन का सींग उत्पादों के विनिर्माण सहित) |
| 4.2 | चुनने का कारण<br>विशेष उत्पाद | :: | यह उत्पाद अपनी भौगोलिक विशेषताओं के कारण अद्वितीय है क्योंकि यह इस क्षेत्र में प्रमुखता से पाया जाता है और स्थानीय लोगों को इसकी खेती और विपणन को बढ़ावा देने की आवश्यकता है। |
| 4.3 | एसएचजी/सीआईजी की सहमति<br>झुंड | :: | हाँ |

उत्पादन प्रक्रियाओं का विवरण

इस विशेष IGA में शामिल प्रक्रियाएं ये हैं

मटर के लिए:

- खेतों में बुवाई से पूर्व किए जाने वाले उपचार जैसे जुताई, क्यारियाँ तैयार करना आदि। बीजों
- की बुवाई।
- बुवाई के बाद खेतों की जुताई जैसे उपचार।
- कृषि क्षेत्र की गतिविधियाँ जैसे निराई, गुड़ाई, सिंचाई, आदि फिर फसल की
- कटाई
- पैकेजिंग और भंडारण

समुद्री हिरन का सींग उत्पाद:

- जामुन और पत्तियां आस-पास के वन क्षेत्रों के पौधों से एकत्र की जाएंगी
- इसके बाद जामुन और पत्तियों को ठंडी, सूखी और साफ जगह पर संग्रहित किया जाएगा (भंडारण कक्ष का स्वामित्व स्वयं सहायता समूह के पास होगा)।
- फिर उत्पादों की विभिन्न श्रेणियों के अनुसार विशेष प्रक्रिया का पालन किया जाएगा जैसे समुद्री हिरन का सींग चाय के लिए जामुन और पत्तियों को सुखाया जाएगा और तदनुसार 100 ग्राम और 150 ग्राम के पैकेट में पैक किया जाएगा

5. उत्पादन योजना का विवरण:

| | | | |
|---|---|---|---|
| 6.1 | उत्पादन चक्र (4 महीनों तक मटर) | :: | काला मटर की खेती और कटाई से लेकर पैकेजिंग तक की विस्तृत प्रक्रिया में लगभग 5-6 महीने लगेंगे, क्योंकि यह कृषि क्षेत्र के संचालन पर आधारित है और मिट्टी, वर्षा जल आदि जैसे प्राकृतिक कारकों पर निर्भर करता है।<br><br>समुद्री हिरन का सींग उत्पादों के लिए: संग्रह, सुखाने, प्रसंस्करण और पैकिंग में लगभग 3 महीने लगेंगे |
| 6.2 | आदमी शक्ति आवश्यक (नहीं।) | :: | समूह के सभी सदस्य बुवाई से लेकर कटाई और फिर पैकेजिंग तक की सभी प्रक्रियाओं में सामूहिक रूप से काम करेंगे। |
| 6.3 | कच्चे माल का स्रोत सामग्री | :: | जेआईसीए वानिकी परियोजना |
| 5 | आवश्यक मात्रा प्रति चक्र (किग्रा) | | 100 किलोग्राम बीज और लगभग 440 किलोग्राम खाद |
| 6 | अपेक्षित उत्पादन प्रति चक्र (किग्रा) | | लगभग 200-250 किग्रा फसल। |

6. कच्चे माल की आवश्यकता और अपेक्षित उत्पादन

| सीनियर नहीं | कच्चा सामग्री (किलोग्राम) | समय | मात्रा रुपये/किग्रा | कुल |
|---|---|---|---|---|
| 1 | 100 किलो बीज | 4 महीने | 150/किग्रा | 15,000/- |
| 2. | 440 किग्रा खाद (वर्मी-खाद) | | 70/किग्रा | 30800/- |

7. विपणन/बिक्री का विवरण

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1 | संभावित बाज़ार स्थान | :: | काजा मुख्य बाजार आसपास के जिलों। |
| 2 | इकाई से दूरी | :: | काजा डिवीजन=2किमी, |
| 3. | बाजार में उत्पाद की मांग | | इसकी मांग बहुत अधिक है क्योंकि यह एक अनोखा पौधा है, जिसमें उच्च पोषण मूल्य है तथा इसकी खेती जैविक तरीके से की जाती है। |
| 4. | बाजार की पहचान की प्रक्रिया | :: | समूह के सदस्य अपनी उत्पादन क्षमता और बाजार की मांग के अनुसार, |
| 5. | बाज़ार पर मौसमी प्रभाव. | :: | बुवाई और कटाई पूरी तरह से प्राकृतिक कारकों पर निर्भर है। |
| 6. | उत्पाद की विपणन रणनीति. | :: | स्वयं सहायता समूह प्रसंस्कृत उत्पादों को परंपरागत लेबलिंग (जेआईसीए परियोजना द्वारा उपलब्ध कराई गई पैकिंग और लेबलिंग) के तहत बेचेगा तथा अपने उत्पादों को स्वयं बेचेगा। |
| 7. | उत्पाद ब्रांडिंग. | :: | उत्पाद का विपणन जेआईसीए परियोजना के अंतर्गत परंपरागत रूप से किया जाएगा तथा स्वयं सहायता समूह द्वारा ऑनलाइन और ऑफलाइन तरीके से इसका विपणन किया जाएगा। |

8. एसडब्ल्यूओटी विश्लेषण

| क्रमांक | विवरण/आइटम | : | विवरण |
|---|---|---|---|
| 1. | ताकत | :: | - समूह के सभी सदस्य एक जैसी सोच वाले हैं तथा स्थानीय और सामाजिक वातावरण के प्रति पूरी तरह अनुकूलित हैं।<br>- उत्पाद उच्च गुणवत्ता वाला है और इसकी मांग भी अधिक है,<br>- पैकिंग उचित है और परिवहन आसान है।<br>- स्वयं सहायता समूहों के लिए वित्तीय सहायता हेतु प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन का आयोजन जेआईसीए वानिकी परियोजना द्वारा किया जाएगा। |
| 2. | कमजोरी | :: | - यह फसल मौसमी है और मुख्यतः प्राकृतिक कारकों पर निर्भर करती है।<br>- अत्यधिक श्रम गहन कार्य. |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 3. | अवसर | :: | - मांग अधिक है और प्रतिफल भी अधिक है।<br>- बाजार का स्थान ऐसा है कि यह बड़ी संख्या में पर्यटकों को आकर्षित करता है जो अपने आप में स्वयं विज्ञापन है।<br>- उत्पाद के अनूठे और औषधीय गुण सभी आयु समूहों के लिए उपयुक्त हैं। |
| 4. | धमकियाँ | :: | चूंकि फसल प्राकृतिक कारकों पर निर्भर करती है, इसलिए पानी की उपलब्धता चिंता का विषय बन जाती है। |

9. सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण

आपसी सहमति से स्वयं सहायता समूह के सदस्य कार्य को पूरा करने के लिए अपनी भूमिका और जिम्मेदारी तय करेंगे। सदस्यों के बीच उनकी मानसिक और शारीरिक क्षमता के अनुसार कार्य का बंटवारा किया जाएगा।

- कुछ समूह सदस्य पूर्व-उत्पादन प्रक्रिया (अर्थात कच्चे माल की खरीद, ग्रेडिंग और कच्चे माल को अलग करना, स्वाद तैयार करना आदि) में शामिल होंगे।
- कुछ समूह सदस्य उत्पादन प्रक्रिया में शामिल होंगे। कुछ समूह सदस्य
- पैकेजिंग और विपणन में शामिल होंगे।

10. परियोजना की अर्थव्यवस्था का विवरण।

| एक। | कैपिटलकॉस्ट | | | |
|---|---|---|---|---|
| क्रमांक। | विशिष्ट | मात्रा | इकाई कीमत | मात्रा |
| 1. | बीज (मटर) | 100 किलो | 150/किग्रा | 15,000/- |
| 2. | नुकीला रेक (11 पीस) | 11 | 700/टुकड़ा | 7,700/- |
| 3. | खाद (वर्मी कम्पोस्ट) | 440 किलोग्राम | 70/किग्रा | 30,800/- |
| 4. | फावड़ा(11 पीस) | 11 | 500/टुकड़ा | 5,500/- |
| 5. | पावर टिलर | 1 टुकड़ा | 45,000/- | 45,000/- |
| | कुल | | | 1,04,000/- |
| | | | | |

| सी। | उत्पादन लागत (वार्षिक) | |
|---|---|---|
| क्रमांक | विवरण | राशि(रु.) |
| 1. | मटर बीज | 15,000/- |
| 2. | खाद (वर्मी कम्पोस्ट) | 30,800/- |
| 3. | बिजली | 10,000/- |
| 4. | पैकेजिंग सामग्री | 5,000/- |
| | कुल | 60,800/- |

| डी। | कुल आवर्ती लागत | |
|---|---|---|
| क्रमांक | विवरण | राशि(रु.) |
| 1. | पैकेजिंग सामग्री | 5,000/- |
| 2. बिजली | | 10,000/- |
| 3. | कुल | 15,000/- |
| | | |

11।निधि की आवश्यकता

| क्रमांक | विवरण | राशि(रु.) ) | परियोजना योगदान (75%) | स्वयं सहायता समूह योगदान (25%) |
|---|---|---|---|---|
| 1 | कुल पूंजी लागत | 1,04,000 | 78,000/- | 26,000/- |
| 2 | कुल आवर्ती लागत | 15,000/- | | |
| 3 | प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन | | | |
| | कुल | 1,19,000/- | | |

टिप्पणी-

- पूंजीगत लागत–समूह की कुल पूंजी लागत 1,04,000 रुपये है, जिसमें से 25% (26,000 रुपये) का योगदान समूह द्वारा स्वयं किया जाएगा तथा शेष 75% (78,000 रुपये) जेआईसीए वानिकी परियोजना द्वारा प्रदान किया जाएगा।
- आवर्ती लागत-एसएचजी द्वारा वहन किया जाएगा

-प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन -निधि के स्रोत:

| | | |
|---|---|---|
| परियोजना समर्थन | - पूंजीगत लागत का 75% हिस्सा होगा उपकरणों और कच्चे माल की खरीद के लिए उपयोग किया जाता है।<br>- एसएचजी बैंक खाते में एक लाख रुपए की राशि जमा कर दी गई है।<br>- प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन लागत। | की खरीद<br>मशीनरी/उपकरण की स्थापना का कार्य सभी नोडल औपचारिकताओं के बाद संबंधित डीएमयू/एफसीसीयू द्वारा किया जाएगा। |
| एसएचजी योगदान | - पूंजीगत लागत का 25% स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन किया जाएगा, इसमें सामग्री और मशीनरी की लागत शामिल है।<br>- आवर्ती लागत स्वयं सहायता समूह द्वारा वहन की जाएगी | |

12. प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन

प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन की लागत परियोजना द्वारा वहन की जाएगी।

निम्नलिखित कुछ प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण/कौशल उन्नयन प्रस्तावित/आवश्यक हैं: कच्चे

- माल की लागत प्रभावी खरीद
- गुणवत्ता नियंत्रण
- पैकेजिंग और विपणन वित्तीय
- प्रबंधन

13. आय के अन्य स्रोत:

समूह का दूसरा दृष्टिकोण स्थानीय अचार बनाने में अपना मूल्य संवर्धन बढ़ाना है

14. बैंक ऋण चुकौती -यदि ऋण बैंक से लिया गया है तो यह नकद ऋण सीमा के रूप में होगा और सीसीएल के लिए कोई पुनर्भुगतान अनुसूची नहीं है; हालांकि, सदस्यों से मासिक बचत और पुनर्भुगतान रसीद सीसीएल के माध्यम से प्राप्त की जानी चाहिए।

- सीसीएल में, एसएचजी के बकाया मूल ऋण का भुगतान वर्ष में एक बार बैंकों को किया जाना चाहिए। ब्याज राशि का भुगतान मासिक आधार पर किया जाना चाहिए।
- अंतर ऋण की चुकौती बैंकों में निर्धारित चुकौती अनुसूची के अनुसार की जानी चाहिए।

15. निगरानी विधि –प्रारंभिक स्तर पर लाभार्थियों का आधारभूत सर्वेक्षण और वार्षिक सर्वेक्षण किया जाएगा।

निगरानी क्षेत्रों के लिए कुछ प्रमुख संकेतक:

- समूह का आकार निधि
- प्रबंधन
- निवेश
- आय पीढ़ी
- उत्पादन स्तर
- उत्पाद की गुणवत्ता
- बेचा गया सामान
- बाजार पहुंच

,

# एसएचजी समझौता पत्र

## समूह का सहमति पत्र

आज दिनांक 24/07/2023 को किललिंगा स्वय सहायता समूह की बैठक की गई। बैठक प्रधान श्रीमती पद्मा छोडन.....की अध्यक्षता में हुई। जिसमें समूह के सभी सदस्यों ने सर्वसहमति से यह निर्णय लिया कि समूह की आय को बढाने के लिए " काला मटर " का कार्य करेगी और आजीविका सुधार योजना (JICA) से जुडने की सहमति प्रदान करते है ।

प्रधान

स्वय सहायता समूह

सचिव

स्वय सहायता समूह

Division Forest Officer
Spiti Wild Life Division
Kaza, Lahul & Spiti (H.P.)